आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–29 जुलाई 2025 **भोजपुरी समाचार**

संसद के दुन्नो सदन में ऑपरेसन सिंदूर पर अजुओ बिसेस चरचा जारी रहल। लोकसभा में भइल बिसेस चरचा में हिस्सा लेत गृह मंत्री अमित शाह कहलें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दृढ़ संकल्प के साथे जबाबी कार्रवाई कइलें अउर ऑपरेसन सिंदूर के सफलता के साथे पूरा कइलें। उहां के अपने सम्बोधन में भारतीय ससस्त्र बलन क सराहना कइलीं।

गृह मंत्री कहलें कि ऑपरेसन सिंदूर सात मई के सुरू कइल गइल अउर राति एक बजि के चारि मिनट से एक बजि के चउबीस मिनट के बिच्चे एके चलावल गइल। येह ऑपरेसन में पाकिस्तान में नौ आतंकी ठेकानन के ध्वस्त कइल गइल अउर सौ से बेसी आतंकवादी मारल गइलें। ई कार्रवाई पाकिस्तान क सीमा के सौ किलोमीटर अंदर ले कइल गइल अउर येह हमला में कउनों पाकिस्तानी नागरिक नाहीं मारल गइलें। गृह मंत्री, पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम क आलोचनो कइलें।

ये कहते है कि पाकिस्तानी नहीं थे इसका मतलब पूरी दुनिया के सामने इस देश का एक पूर्व गृहमंत्री पाकिस्तान को क्लीन चिट दे रहा है। श्री चिदम्बरम अगर पाकित्स्तानी आतंकवादी नहीं थे, तो पाकिस्तान पर हमला क्यों किया, वो भी सवाल खड़ा कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर भइल खास चर्चा में हिस्सा लिया।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी क दुइ अगस्त के प्रस्तावित बनारस दौरा के तइयारियन के समीक्षा के क्रम में ओइजा क सेवापुरी बलाक के बनौली गांव में प्रस्तावित जनसभा वाली जगहि क आजु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरीक्षण कइलें। उहां के अधिकारियन से जनसभा वाली जगहि पर कइल जा रहल तइयारियन के बारे में जनकारी लिहलीं अउर जरूरी निरदेस दिहलीं।

मुख्यमंत्री अजुये प्रयागराज जिलो क दौरा कइलें। ओइजा उहां के सर्किट हाउस में विन्ध्यांचल अउर प्रयागराज मण्डल के विकास योजनन क समीक्षा कइलीं। समीक्षा बइठकी में दुन्नो मण्डल के जनप्रतिनिधि लोगिन के साथे–साथ लोक निर्माण विभाग, नगर विकास अउर पर्यटन विभाग क अधिकरियो मौजूद रहलें।

****

नागपंचिमी क तिउहार प्रदेस के सज्जो जिलन में सरधा भक्ति अउर उछाह के साथे मनावल जा रहल हौ। येह मौका पर सरधालु भिन्नहियें से शिव मंदिरन अउर शिवालयन में भगवान भोलेनाथ अउर नाग देवता क पूजा–अर्चना कइ रहल हवें। नागपंचिमी के मौका पर कई गो संगठनन की ओरि से कई जिलन में खेलि प्रतियोगितन क आयोजनों कइल जा रहल बा। गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में नागपंचिमी के उपलक्ष्य में आयोजित दुइ दिन क राज्य स्तरीय कुस्ती प्रतियोगिता क आजु समापन हो गइल। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहलवानन क हौसिला बढ़वलें। येह मौका पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बोधित करत उहां के कहलीं कि प्रदेस में खेलि अउर खेलि गतिविधियन में पछिला इग्यारह बरिस के दौरान बड़हन बदलाव देखे के मिलल हौ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओरि से सुरू कइल गइल खेलो इण्डिया कार्यक्रम प्रदेस के खेलि प्रतिभा के उभरले क कार कइले हौ। एही क नतीजा बाटे कि प्रदेस क खेलाड़ी ओलम्पिक, कॉमनवेल्थ गेम अउर एशियाड के सथहीं कई गो अंतर्राष्ट्रीय विश्व चैम्पियनसिप में आपन प्रतिभा देखा रहल हवें आ मेडल जीति के अपने क्षेत्रे क नाहीं बलुक प्रदेसो क नांव अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चमका रहल हवें। येह मौका पर मुख्यमंत्री खेलाड़ियन क प्रतिभा निखारे बदे प्रदेस सरकार की ओरि से चलावल जा रहल योजनों गिनवलें।

****

राष्ट्रीय शिक्षा नीति दुइ हजार बीस के लागू भइले आजु पांच बरिस पूरा हो गइल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के विद्यालयन के ज्ञान पवले क अइसन जगहि में बदलले क महत्वाकांक्षी योजना हवे जहवां सिक्षा खाली पाठ्यपुस्तकन, नम्बर चाहे रटले ले सीमित न रहे। एगो रिपोर्ट–

निपूर्ण भारत और विद्या प्रवेश जैसी पहलों से लगभग नौ लाख विद्यालयों के चार करोड़ से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए हैं। वहीं, भारतीय सांकेतिक भाषा पर एक हजार से ज्यादा वीडियो और टॉकिंग बुक्स विकसित की गई है। 5334 संरचना और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 अनुभवात्मक और योग्यता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देती है। सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में अब पचास प्रतिशत योग्यता आधारित प्रश्न शामिल हैं और वहीं, विद्यार्थी विषय का चुनाव दो स्तरों पर कर सकते हैं। निष्ठा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चार लाख से ज्यादा शिक्षकों को भी प्रशिक्षति किया गया है। बाल वाटिका, जादुई पिटारा और प्रशस्त ऐप जैसी अन्य पहलों ने बहुभाषी, समावेशी और समग्र शिक्षा को बहुत अधिक बढ़ावा दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक ऐसी नीति का निर्माण कर रही है, जहां प्रत्येक शिक्षार्थी को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। आदर्श की रिपोर्ट के साथ, अमन यादव, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

आजु अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस हवे। ई दिन बाघन के प्राकृतिक घरन के सुरक्षा अउर दुनिया भर में उनके संरक्षण के कोसिस के प्रति जागरूकता बढ़वले के उद्देस्य से हर सालि ओन्तीस जुलाई के वैस्विक स्तर पर मनावल जाला।

****